



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 13]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 7, 2009/पौष 17, 1930

No. 13]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 7, 2009/PAUSA 17, 1930

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 जनवरी, 2009

सं. 01/2009-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (मै.टै.)

सा.का.नि. 18(अ).—जबकि केन्द्र सरकार केन्द्रीय उत्पाद

शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) (एतदपश्चात् उक्त अधिनियम के रूप में उल्लिखित) की धारा 3 के अंतर्गत उन पुर्जों पर उत्पाद शुल्क लगाने (उनके नहीं लगाए जाने सहित) संबंधी सामान्यतया प्रचलित प्रक्रिया से संतुष्ट है जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की प्रथम अनुसूची के शीर्ष सं. 86.01 से 86.06 के अंतर्गत आने वाले माल के विनिर्माण में उसी कारखाने में प्रयुक्त होते हैं जिसमें उनका विनिर्माण होता है और यह कि उक्त पुर्जों पर उत्पाद शुल्क देय है जो उक्त प्रक्रिया के अनुसार मार्च, 1993 के पहले दिन को और उस दिन से शुरू होकर मई, 1993 के तीसरे दिन को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान देय नहीं था।

2. इसलिए, अब उक्त अधिनियम की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा निदेश देती है कि ऐसे पुर्जों पर उक्त अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत देय सम्पूर्ण उत्पाद शुल्क केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की प्रथम अनुसूची के शीर्ष सं. 86.01 से 86.06 के अंतर्गत आने वाले माल के विनिर्माण में जब उनका उपयोग उसी कारखाने में होता है जिसमें उनका विनिर्माण होता है, उक्त प्रक्रिया के लिए छोड़कर उक्त पुर्जों के संबंध में भुगतान किया जाना अपेक्षित नहीं होगा।

प्रावधान है कि इस अधिसूचना के अंतर्गत लाभ जब तक इस अधिसूचना के लाभ का दावा करने वाली यूनिट उक्त माल के विनिर्माण में प्रयुक्त निविष्टियों के संबंध में लिए गए यदि कोई हो, निविष्टि क्रेडिट को समाप्त न कर दे, अनुमत्य नहीं होगा।

[फा. सं. 158/01/2005-सी एक्स-4]

अशीमा बंसल, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th January, 2009

No. 1/2009-Central Excise (Non-Tariff)

G.S.R. 18(E).—Whereas the Central Government is

satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under Section 3 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter referred to as the said Act), on the parts, when used within the factory in which they have been produced, in the manufacture of goods falling under heading Nos. 86.01 to 86.06, of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), and that said parts were liable to duty of excise which was not being levied according to the said practice during the period commencing on and from the 1st day of March, 1993 and ending with 3rd day of May, 1993.

2. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 11C of the said Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise payable under Section 3 of the said Act on such parts, when used within the factory in which they have been produced, in the manufacture of goods falling under heading Nos. 86.01 to 86.06, of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of said parts, on which the said duty of excise was not being levied during the aforesaid period in accordance with the said practice :

Provided that the benefit under this notification shall not be admissible, unless the unit claiming benefit of this notification, reverses the input credit, if any, taken in respect of inputs used in the manufacture of said goods.

[F. No. 158/01/2005-CX.4]

ASHIMA BANSAL, Under Secy.